।।अर्हम् ।।

आचार्यश्री महाप्रज्ञ प्रवास व्यवस्था समिति, श्रीडूँगरगढ़ (बीकानेर)

दूरभाश : 01565-224600,224900

ई-मेल : jstsdgh01565@gmail.com

नागरिक अभिनन्दन समारोह में आचार्य महाप्रज्ञ ने कहा
संवेदन-ीलता के अभाव में बिगड़ रही है हिन्दूस्तान की छवि

-तुलसीराम चौरड़िया (मीडिया संयोजक)-

श्रीडूँगरगढ़ 2 जनवरी : मानवता के मसीहा आचार्य महाप्रज्ञ का नगरपालिका मण्डल एवं नगर की विभिन्न संस्थाओं ने स्थानीय तेरापंथ भवन के प्रज्ञासमवसरण में नागरिक अभिनन्द किया गया। पालिका अध्यक्ष रामे-वरलाल पारीक ने सर्व नागरिको की तरफ से आचार्य महाप्रज्ञ को अभिनन्द पत्र समर्पित किया। इस मौके पर युवाचार्य महाश्रमण भी उपस्थित थे। अभिनन्दन समारोह को संबोधित करते हुए आचार्य महाप्रज्ञ ने कहा कि अभिनन्दन व्यक्ति का नहीं अध्यात्म एवं करुणा का होना चाहिए। अध्यात्म से मानव जाति का उर्ध्वारोहण होता है और करुणा से मानवीय समस्याओं का समाधान मिलता है। हमने अहिंसा यात्रा के दौरान मानवीय समस्याओं को समझने का प्रयास किया । हमें उन समस्याओं के समाधान में सफलता मिली इसका कारण है हम किसी राजनीति दल, जाति सम्प्रदाय से बंधे हुए नहीं है सम्प्रदाय और धर्म दोनों अलग-अलग है उन्होनें कहा कि धर्म सत्य है सत्य कभी दो नहीं सकते । सत्य सभी के लिए एक है। सम्प्रदाय केवल धर्म करने का साधन है। सम्प्रदाय का अलग-अलग होना गलत नहीं है जिस तरह मकान व्यक्ति के लिए सुरक्षा का माध्यम है वैसे ही सम्प्रदाय धर्म करने का माध्यम है।

आचार्य महाप्रज्ञ ने कहा कि प्रत्येक धर्म की नींव नैतिकता है और करुणा, संवेदन-ीलता उसके स्तंभ है। स्तंभों के आधार पर धर्म का प्रसार बना हुआ है। आज हिन्दूस्तान में नैतिकता, करुणा और संवेदन-ीलता का अभाव हो रहा है जिससे दे-ा की छवि बिगड़ रही है। भ्रश्टाचार की अग्रिम सूची में भारत का नाम आने लग गया है, जो चिन्तनीय है। आचार्य महाप्रज्ञ ने न-ा मुक्ति अभियान चलाने वाले व्यक्तियों को संबोध प्रदान कराते हुए कहा कि ऐसा अभियान चलाने वाले स्वयं न-ा मुक्त हो इस बात की अपेक्षा है। आज व्यक्ति सर्वप्रथम स्वयं को नहीं सुधारता, दूसरों को सुधारने की बात करता है। परन्तु जब तक व्यक्ति अपने भीतर इमो-ान का जो न-ा है, और क्रूरता, लोभ, मान छलकपट आदि जो इमो-ान है इनको सुधारता तब तक दूसरों को सुधारने का प्रयास सार्थक नहीं होगा। उन्होनें इतना स्वस्थ व्यक्ति, स्वस्थ समाज एवं स्वस्थ अर्थव्यवस्था पर जोर देते हुए कहा कि व्यक्ति के सुधरने से ही समाज सुधरेगा और स्वस्थ अर्थव्यवस्था से ही राश्ट्र का निर्माण होगा।

आचार्य महाप्रज्ञ ने मानवीय समस्याओं एवं पारिवारिक समस्याओं के लिए अहिंसा प्र-िक्षण, पारिवारिक सौहार्द ि-विरों को उपयोगी बताया एवं कस्बे में अपने लंबे प्रवास में ऐसे ि-विरों से प्र-िक्षण लेने की प्रेरणा प्रदान की।

युवाचार्य महाश्रमण ने कहा कि भारत का भाग्य है कि आचार्य महाप्रज्ञ जैसे महान संत धरती पर विराज रहे हैं। अचार्य महाप्रज्ञ ने 79 वर्शों के संयम पर्याय में प्रेक्षाध्यान, जीवन विज्ञान, अणुव्रत और मानव उत्थान के विचारों से वि-व में पहचान बनाई है। ऐसे महापुरुश का अभिनन्दन करने से ज्यादा इनके कार्यो में सहभागी बनने का संकल्प लेना चाहिए। उन्होनें कहा कि भावों को अभिव्यक्त करने का माध्यम है भाशा । भाव असीम होते है और :ाब्द सीमित। ऐसे में असीम कार्यो को आकृति से भी अभिव्यक्त किया जाता है।

क्रमः 2

नगर पालिका मंडल के अध्यक्ष रामे-वरलाल पारीक ने सम्पूर्ण नगर वासियों की तरफ से अभिनन्दन करते हुए कहा कि मेनें अपनी जिन्दगी में कभी इतनी सफाई नहीं देखी। आपके पधारने पर :ानदार व्यवस्था हुई है। सम्पूर्ण :ाहर का कण-कण पुलकित हो उठा है। आपके सान्निध्य में जो ऊर्जा मिली है उससे हमारा जीवन सार्थक हो जायेगा। इस मौके पर :याम महर्शि, रुपचंद सोनी, मोहनलाल सोनी, महावीर माली, रामगोपाल सुथार, रामकि-ान उपाध्याय, देवीलाल उपाध्याय, रविन्द्र गोलछा, कन्हैयालाल छाजेड़ ने भी अपने विचार व्यक्त किये। प्रवास व्यवस्था समिति के संरक्षक बनेचंद मालू ने आभार ज्ञापित किया। इस कार्यक्रम को सफल बनाने मे मीडिया संयोजक तुलसीराम चौरड़िया का श्रम नियोजित हुआ। राजस्थानी भाशा में सत्यदीप भोजक ने कार्यक्रम का संचालन किया।

करुणा है तो पोलिथीन का प्रयोग न करें

पालिका अध्यक्ष श्री रामे-वरलाल पारीक के पर्यावरण :ाुद्धि के लिए संदे-ा देने के निवेदन पर आचार्य महाप्रज्ञ ने कहा कि जिसके मन में गाय आदि प-ाुओं के प्रति करुणा है तो वह पोलिथीन का प्रयोग न करने का संकल्प ले। उन्होनें अनेक जगहों पर निर्धक पोलिथीन गायों के द्वारा भोजन बनाये जाने की आंखो देखी घटनाओं का जिक्र किया। उन्होनें कहा कि पोलिथीन स्वास्थ्य के लिए हानिकारक सिद्ध हो रही है।

विधायक ने किये द-ार्न

स्थानीय विधायक मंगलाराम गौदारा ने आचार्य महाप्रज्ञ, युवाचार्य महाश्रमण के द-ार्न कर आ-ीर्वाद लिया। इन्होनें इस मौके पर सम सामयिक मुद्दों पर मार्गद-ार्न प्राप्त किया। इस मौके पर व्यवस्था समिति के सहसंरक्षक विजयसिंह पारख, धनराज पुगलिया, भीकमचंद सेठिया, मोहनलाल सिंघी, मानिकचंद पुगलिया, प्रका-ाचंद सिंघी व पूर्व पार्शद केसरदेव :ार्मा आदि मौजूद थे।

सादर प्रका-ानार्थ : -
श्री प्रमोद जी घोड़ावत
सम्पादक, तेरापंथ टाईम्स
नई दिल्ली

तुलसीराम चौरड़िया
मीडिया संयोजक/सहसंयोजक